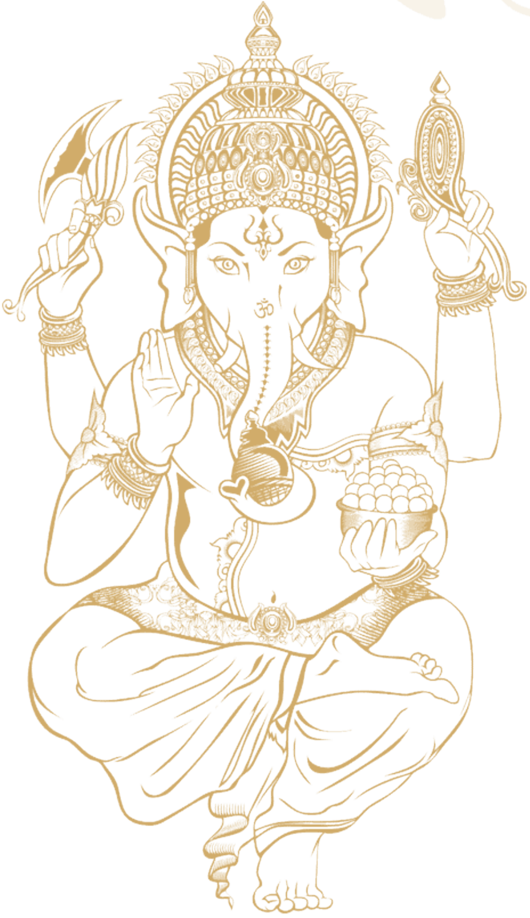

17 Oct 1993

08:25 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb **Order No: 121069705**

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**17/10/1993**
दिन	रविवार
जन्म समय	**20:25:00 घंटे**
इष्ट	35:04:26 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	20:03:52 घंटे
वेलान्तर	00:14:37 घंटे
साम्पातिक काल	21:48:20 घंटे
सूर्योदय	06:23:13 घंटे
सूर्यास्त	17:49:32 घंटे
दिनमान	11:26:19 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	00:28:43 तुला
लग्न के अंश	17:42:28 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 4**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	आयुष्मान
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	तो-तोरल
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	17:42:28	367:42:32	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	शनि	---
सूर्य			तुला	00:28:43	00:59:35	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	नीच राशि
चंद्र			वृश्चिक	00:27:57	14:40:42	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	चंद्र	नीच राशि
मंगल			तुला	20:16:25	00:41:41	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	सम राशि
बुध			तुला	24:59:44	00:47:55	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	मित्र राशि
गुरु		अ	तुला	01:06:14	00:13:03	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	शत्रु राशि
शुक्र			कन्या	08:13:30	01:14:25	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	नीच राशि
शनि	व		मक	29:57:13	00:01:04	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	स्वराशि
राहु	व		वृश्चिक	09:46:31	00:01:05	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	09:46:31	00:01:05	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	सम राशि
हर्ष			धनु	24:37:31	00:01:01	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
नेप			धनु	24:41:09	00:00:35	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
प्लूटो			वृश्चिक	00:26:56	00:02:09	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	चंद्र	---
दशम भाव			कुंभ	01:01:18	--	धनिष्ठा	--	23	शनि	मंगल	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:46:28

लग्न-चलित

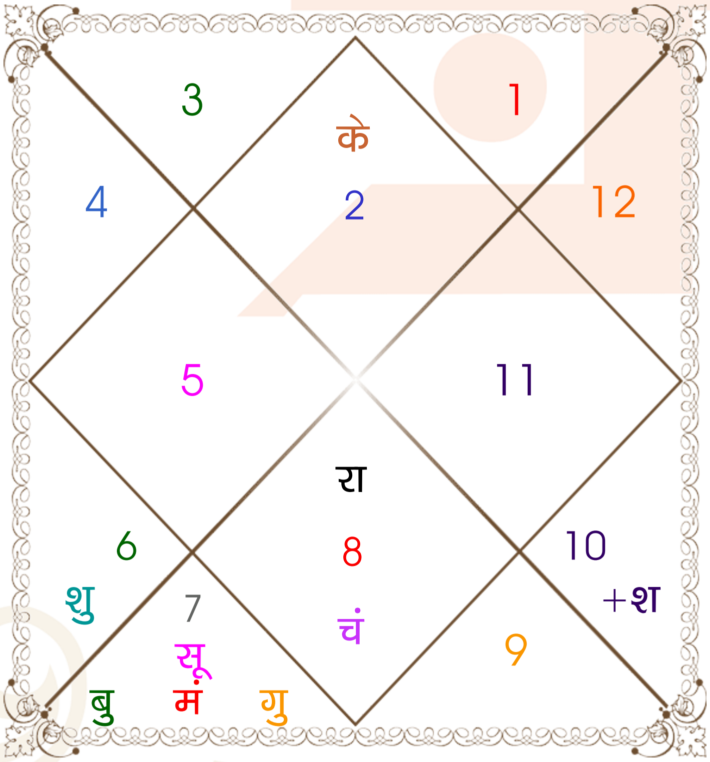

चन्द्र कुंडली

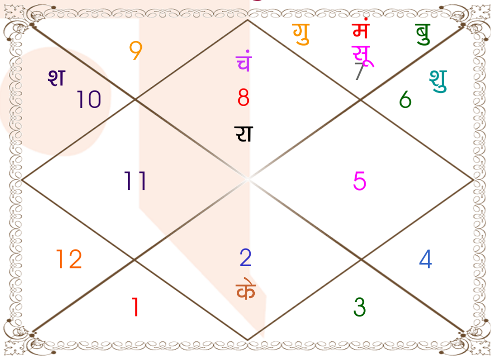

नवमांश कुंडली

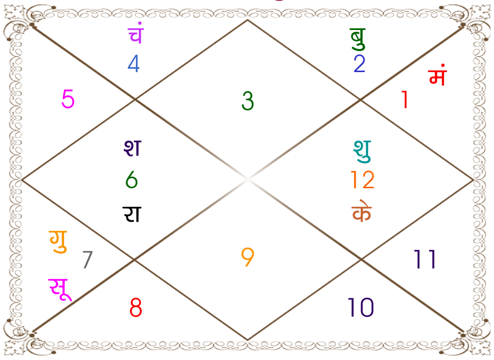

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 3 वर्ष 5 मास 8 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
17/10/1993		27/03/1997		27/03/2016		27/03/2033		27/03/2040	
27/03/1997		27/03/2016		27/03/2033		27/03/2040		27/03/2060	
	00/00/0000	शनि	30/03/2000	बुध	24/08/2018	केतु	23/08/2033	शुक्र	27/07/2043
	00/00/0000	बुध	08/12/2002	केतु	21/08/2019	शुक्र	23/10/2034	सूर्य	27/07/2044
	00/00/0000	केतु	17/01/2004	शुक्र	21/06/2022	सूर्य	28/02/2035	चंद्र	27/03/2046
	00/00/0000	शुक्र	19/03/2007	सूर्य	27/04/2023	चंद्र	29/09/2035	मंगल	28/05/2047
	00/00/0000	सूर्य	29/02/2008	चंद्र	26/09/2024	मंगल	25/02/2036	राहु	27/05/2050
	17/10/1993	चंद्र	29/09/2009	मंगल	23/09/2025	राहु	15/03/2037	गुरु	25/01/2053
चंद्र	26/11/1993	मंगल	08/11/2010	राहु	11/04/2028	गुरु	19/02/2038	शनि	27/03/2056
मंगल	02/11/1994	राहु	14/09/2013	गुरु	18/07/2030	शनि	31/03/2039	बुध	26/01/2059
राहु	27/03/1997	गुरु	27/03/2016	शनि	27/03/2033	बुध	27/03/2040	केतु	27/03/2060

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
27/03/2060		27/03/2066		27/03/2076		28/03/2083		28/03/2101	
27/03/2066		27/03/2076		28/03/2083		28/03/2101		00/00/0000	
सूर्य	15/07/2060	चंद्र	26/01/2067	मंगल	23/08/2076	राहु	08/12/2085	गुरु	16/05/2103
चंद्र	13/01/2061	मंगल	27/08/2067	राहु	11/09/2077	गुरु	02/05/2088	शनि	27/11/2105
मंगल	21/05/2061	राहु	25/02/2069	गुरु	17/08/2078	शनि	09/03/2091	बुध	04/03/2108
राहु	15/04/2062	गुरु	27/06/2070	शनि	26/09/2079	बुध	26/09/2093	केतु	07/02/2109
गुरु	01/02/2063	शनि	26/01/2072	बुध	23/09/2080	केतु	14/10/2094	शुक्र	09/10/2111
शनि	14/01/2064	बुध	26/06/2073	केतु	19/02/2081	शुक्र	14/10/2097	सूर्य	28/07/2112
बुध	19/11/2064	केतु	26/01/2074	शुक्र	21/04/2082	सूर्य	08/09/2098	चंद्र	18/10/2113
केतु	27/03/2065	शुक्र	26/09/2075	सूर्य	27/08/2082	चंद्र	10/03/2100		00/00/0000
शुक्र	27/03/2066	सूर्य	27/03/2076	चंद्र	28/03/2083	मंगल	28/03/2101		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 3 वर्ष 5 मा 20 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रोहिणी नक्षत्र के तृतीय चरण में वृष लग्न के उदय काल हुआ था। जन्मकाल के समय ही मिथुन के नवमांश में कन्या द्रेष्काण भी उदित था। इस विन्दु पर जन्म के फलस्वरूप आपका जीवन सुखद, आरामदायक धन धान्य से पूर्ण आनंददायक जीवन व्यतीत होने की संभावनाओं का भी सृजन हुआ है।

आप व्यक्तिगत रूप से कठिन श्रम की भावना से समर्पित प्राणी हैं। आप अपने उद्य `श्यित कार्य को यथार्थता के साथ स्पष्ट रूप से संपादित करेंगे।

आप धन-धान्य की प्रर्याप्त प्राप्ति हेतु समझ से पूर्व नियत स्थान पर पहुंचने का निर्णय करेंगे। परंतु आप अपनी यह धारणा ग्रहण करें कि अतिरिक्त विकास एवं पूर्ण सफलता प्राप्ति हेतु अपने उद्देश्य का संपादन कर लेंगे। वास्तव में आपके लिए आकस्मिक रूप से मात्र आलस्यपूर्ण प्रवृत्ति का त्याग करना ही उत्तम होगा।

आप पहले से ही धन की महत्ता से परिचित हैं। आप कठिन श्रम एवं दुरुह रास्ते से धनोपार्जन करेंगे तथा धन के व्यय पर सतर्क भी रहेंगे। आप निश्चित रूप से बहुत उत्तम प्रकार के भौतिक सुख प्राप्ति हेतु, धनकोष का संग्रह करेंगे।

आप वित्तीय विषयक किसी भी प्रकार का दुरुपयोग सा सामंजस्य नही करेंगे।

आप अत्यंत धन संचय करने के लिए लोभ की पराकाष्ठा तक पहुंचे हुए प्राणी हैं। आप में पूर्ण विश्वसनीयता विद्यमान हैं। आप किसी का धन अनीतिपूर्ण ढंग से नही प्राप्त करना चाहते बल्कि आप धन प्राप्ति के लिए उपयुक्त सुअवसर पर ऐसा कार्यान्वयन करते हैं। क्योंकि सत्य तो यह है कि आप धन प्राप्ति संबंधी योजनाओं को सांसारिक रीति से बुद्धिमत्तापूर्वक समर्पित भाव से कार्य रूप देते हैं। साथ ही अन्य लोगों को भी धन प्राप्ति के लिए मार्ग दर्शन करते हैं।

आप किसी के साथ छेड़खानी करना या किसी पर आक्रमण करने पर विश्वास नही करते। आप एक आस्तिक प्राणी हैं। आप अपनी स्पष्ट वादिता पूर्वक संतोषजनक सफलता या, निकटता हेतु किसी को भी तरजीह देते हैं। परंतु जब कोई किसी भी समय या अवसर पर कोई शत्रुता पूर्वक आप से इर्ष्या करता है तो आप उसके प्रगति के पथ पर अवरोधक उत्पन्न करने का प्रयास करते हैं। आपका प्रदर्शन बाधा पूर्ण एवं विध्वांसात्मक रूप से व्यवधान कारक हो जाता हैं अस्तु आप अपने धैर्य को सीमा के बाहर जाने के लिए सतर्क रहें। अर्थात् अपने धैर्य का संतुलन बनाए रक्खें।

आप स्वाभाविक रूप से यांत्रिक कला में दक्ष एवं परिश्रम तथा समुचित खोजकर अपने लक्ष्य तक पहुंचने वाले प्राणी हैं। आप सामान्यतया प्रशासनिक सेवा कार्य हेतु उपयुक्त हैं। यथा होटल प्रबंधक, अथवा सौंदर्य प्रसाधित व्यवसाय आदि तथा आपकी रुचि साहित्यिक भावनानुसार हो, तों आप उच्च कोटि के लेखक भी हो सकते है यदि आप में लेखन कला एवं क्षमता विद्यमान हो। यद्यपि आप मध्यम कद के ऊंची कंधे वालें, उभरी छाती, उन्नत ललाट एवं

चमकीली आखों से युक्त सुंदर व्यक्तित्व के जीव हैं। आप से विपरीत योनि के प्राणी (स्त्री) आकर्षित रहेंगी।

आपका पारिवारिक जीवन अति आनंददायक साथ-साथ कठिन एवं कोई न कोई आर्थिक समस्याओं से सदैव युक्त रहेगा। साथ ही आपका पारिवारिक जीवन सुव्यवस्थित रहेगा। आप अपने नजदीकी और प्रियजनों को यथेष्ठ प्यार और सम्मान देंगे। आप अपने गले के रोग एवं टोनशील रोग के प्रति रक्षात्मक भावना रक्खें तथा कफ जनित तथा शीत प्रकोप से गले में होने वाले कष्ट तथा रोगों एवं पैरों की सूजन तथा दर्द की रक्षा हेतु सतर्क रहें।

सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

इसके अतिरिक्त आपके लिए अंक 2 तथा 8 अंक लाभदायक है। परंतु अंक 5 आपके लिए त्यागनीय है। इसी प्रकार लाल रंग भी आपके लिए प्रतिकूल है। जबकि, आपके लिए अनुकूल एवं भाग्यशाली रंग हरा, सफेद एवं गुलाबी रंग है।